ॐ

~~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

कक्षा-नवम्   विषय-- हिन्दी

दिनांक -05/06/2020   क्षितिज - गद्य- खंड

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया

शुभ प्रभात!

आपका हर क्षण उमंगों से भरा हो!

आशा है आपने कल के प्रश्न अभ्यास को बना लिया होगा! आज ,जो प्रश्न शेष हैं उन प्रशनों को मैं दे रही हूँ,आप इन सारे प्रश्न को शुद्ध- शुद्ध एवं सही-सही बनाएँ।

लहासा की ओर

-- राहुल सांकृत्यायन

प्रश्न -अभ्यास

6. प्रस्तुत यात्रा- वृतांत के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था?

7. 'मैं अब पुस्तकों के भीतर था।' नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन-सा इस वाक्य का अर्थ बतलाता है-

(क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया ।

(ख) लेखक पुस्तकों की शेल्फ़ के भीतर चला गया।

(ग) लेखक के चारों ओर पुस्तकें ही थीं।

(घ) पुस्तक में लेखक का परिचय और चित्र छपा था।

8. सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं?

9. 'हालांकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल करना चाहिए था।' उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार -व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर

तय होते हैं ।आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त करें।

10.यात्रा- वृतांत के आधार पर तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का शब्द -चित्र प्रस्तुत करें ।वहाँ की स्थिति आपके राज्य/शहर से किस प्रकार भिन्न है?

11. आपने भी किसी स्थान की यात्रा अवश्य की होगी? यात्रा के दौरान हुए अनुभवों को लिखकर प्रस्तुत करें।

12. यात्रा -वृतांत गद्य साहित्य की एक विधा है ।आपकी इस पाठ्यपुस्तक में कौन-कौन सी विधाएँ हैं? प्रस्तुत विधा उनसे किन मायनों में अलग है?

छात्र कार्य-

सारे प्रश्न -अभ्यास को अपनी उत्तर पुस्तिका में साफ-साफ एवं शुद्ध- शुद्ध बनाएँ।

धन्यवाद!

कुमारी पिंकी “कुसुम”